मुख्य परीक्षा

राइट टू डिस्कनेक्ट(Right to Disconnect)

संदर्भ

एनसीपी (SP) सांसद सुप्रिया सुले और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तेजी से बढ़ते हाइपर-कनेक्टेड कार्य वातावरण में कार्य-जीवन संतुलन और मानसिक-स्वास्थ्य तनाव पर बढ़ती चिंताओं के बीच कानूनी रूप से **राइट टू डिस्कनेक्ट को स्थापित करने के लिए लोकसभा में निजी सदस्य विधेयक पेश किया** है।

राइट टू डिस्कनेक्ट के बारे में -

- **यह एक श्रम अधिकार है जो कर्मचारियों को दंड या प्रतिकूल रोजगार कार्रवाई के डर के बिना आधिकारिक कार्य घंटों के बाहर काम से संबंधित संचार से अलग रहने(डिस्कनेक्ट होने) की अनुमति देता है।**
- काम से अलग होने(डिस्कनेक्ट होने) की अवधारणा की जड़ें मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) के अनुच्छेद-24 में पाई जाती हैं, जिसमें कहा गया है कि 'प्रत्येक व्यक्ति को आराम और अवकाश का अधिकार है, जिसमें कार्य घंटों की उचित सीमा और वेतन सहित आवधिक अवकाश शामिल हैं।'
- भारत में, राइट टू डिस्कनेक्ट की व्याख्या अनुच्छेद-21 के अंतर्गत की जा सकती है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है।
- **स्वास्थ्य को शामिल करने के लिए अनुच्छेद-21 का न्यायिक विस्तार:**
    - **पंजाब राज्य बनाम एमएस चावला (1997):** सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल का अधिकार अनुच्छेद-21 का एक अभिन्न अंग है।
    - **सीईएससी लिमिटेड बनाम सुभाष चंद्र बोस (1992):** न्यायालय ने स्वास्थ्य को पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण के रूप में परिभाषित किया, न कि केवल बीमारी की अनुपस्थिति। इससे अत्यधिक काम, थकान और टेलीप्रेशर संवैधानिक चिंताएं बन जाती हैं।

2025 के विधेयक में प्रस्तावित मुख्य तत्व -

- नियोक्ता कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं, लेकिन कर्मचारी कार्य समय के बाद जवाब देने के लिए बाध्य नहीं हैं।
- यदि कर्मचारी कार्य समय के बाद ईमेल, कॉल या संदेश अस्वीकार करते हैं, तो कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- मानक निर्धारित करने और अनुपालन की निगरानी के लिए एक कर्मचारी कल्याण प्राधिकरण का गठन।
- 10 से अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों को कार्य समय के बाद के मानदंडों पर बातचीत करनी होगी और सामान्य दरों पर ओवरटाइम का भुगतान करना होगा।
- स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन के लिए अनिवार्य परामर्श सेवाएँ और डिजिटल डिटॉक्स केंद्र।
- **जुर्माना:** अनुपालन न करने पर कुल कर्मचारी पारिश्रमिक का 1%।

विधेयक का महत्व -

- **कर्मचारी कल्याण की रक्षा करता है:** "ऑलवेज-ऑन" कार्य संस्कृति और 'टेलीप्रेशर' के कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों (तनाव, बर्नआउट, नींद की कमी) को सीधे संबोधित करता है और कम करता है।
    - उदाहरण के लिए, मैकिन्से हेल्थ इंस्टीट्यूट के 2023 के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 59% भारतीय उत्तरदाताओं ने बर्नआउट के लक्षणों की सूचना दी - जो वैश्विक औसत 20% से बहुत अधिक है
- **कार्य-जीवन संतुलन बहाल करता है:** कानूनी रूप से व्यक्तिगत और व्यावसायिक समय के बीच की सीमा स्थापित करता है, आराम के लिए आठ घंटे और अवकाश के लिए 8 घंटे का अधिकार सुनिश्चित करता है।

- **उचित भुगतान सुनिश्चित करता है:** यह अनिवार्य करता है कि कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान किया जाना चाहिए यदि वे आधिकारिक घंटों के बाहर काम करने के लिए सहमत हैं।
- **नियोक्ता जवाबदेही का परिचय देता है:** विधेयक उन कंपनियों के लिए जुर्माने(कर्मचारी पारिश्रमिक का 1%) का प्रस्ताव करता है जो राइट टू डिस्कनेक्ट का उल्लंघन करती हैं तथा विधेयक - प्रवर्तन के लिए एक तंत्र प्रदान करता हैं।
- **एक कानूनी अधिकार स्थापित करता है:** कर्मचारी विश्राम को कंपनी की नीति या नैतिक चिंता से हटाकर कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार बनाता है, जिससे भारत फ्रांस और पुर्तगाल जैसे देशों के बराबर आ जाता है।

लंबे कार्य घंटों के समर्थन में तर्क -

- **आर्थिक विकास में योगदान:** लंबे समय तक काम करने से कुल उत्पादन और उत्पादकता बढ़ सकती है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद के विस्तार में तेजी लाने में मदद मिलती है और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने की भारत की महत्वाकांक्षा का समर्थन होता है। (विश्व बैंक, आईएलओ)
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है:** विस्तारित घंटे भारतीय फर्मों को चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में उच्च-तीव्रता वाली कार्य संस्कृतियों से मेल खाने में मदद करते हैं, जहां लंबी शिफ्ट (उदाहरण के लिए, चीन का 996 मॉडल) आम है।
- **क्षेत्रीय आवश्यकताएँ:** आईटी, वित्त, विनिर्माण और स्टार्टअप जैसे उद्योग अक्सर वैश्विक वितरण मानकों और तेजी से नवाचार चक्रों को बनाए रखने के लिए लंबे समय तक कार्यक्रम की मांग करते हैं। (उदाहरण के लिए, सप्ताह में 80 घंटे के लिए मस्क की वकालत)।
- **कथित नौकरी सुरक्षा:** कई कर्मचारी स्वेच्छा से प्रतिबद्धता का संकेत देने, प्रदर्शन रेटिंग में सुधार करने और कैरियर में उन्नति को सुरक्षित करने के लिए लंबे समय तक काम करते हैं।
- **पूंजी निवेश का बेहतर उपयोग:** विकासशील अर्थव्यवस्थाएं औद्योगिक क्षमता और बुनियादी ढांचे का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए लंबे कार्य चक्र पर निर्भर करती हैं, जिससे पूंजी-गहन निवेश पर उच्च रिटर्न सुनिश्चित होता है।

लंबे कार्य घंटों के विरोध में तर्क -

- **उत्पादकता में गिरावट:** अधिक काम करने से प्रति घंटे दक्षता और उत्पादन कम हो जाता है, कई अध्ययनों से पुष्टि होती है कि एक निश्चित सीमा से परे रिटर्न कम हो रहा है। (ओईसीडी, 2023)
- **गंभीर स्वास्थ्य परिणाम:** लंबे समय तक काम करने से हृदय रोग, तनाव विकार और मानसिक-स्वास्थ्य चुनौतियों का खतरा बढ़ जाता है, जिससे कार्यबल का कल्याण कम हो जाता है। (आईएलओ-डब्ल्यूएचओ संयुक्त रिपोर्ट, 2021)
- **कार्य-जीवन संतुलन का क्षरण:** अत्यधिक काम व्यक्तिगत समय, पारिवारिक बातचीत और अवकाश को सीमित करता है, जिससे समग्र जीवन संतुष्टि बिगड़ जाती है; फ्रांस जैसे कई देशों ने इसे संबोधित करने के लिए छोटे कार्य सप्ताह अपनाए।
- **कम नौकरी संतुष्टि:** लगातार काम का बोझ प्रेरणा को कम करता है और बर्नआउट को बढ़ाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर नौकरी छोड़ने की दर बढ़ जाती है। (गैलप ग्लोबल वर्कप्लेस रिपोर्ट, 2022)
- **रचनात्मकता और नवाचार में कमी:** लंबे समय तक काम के घंटों के कारण होने वाली संज्ञानात्मक थकान विश्लेषणात्मक सोच और रचनात्मक समस्या-समाधान को कमजोर करती है। (माइक्रोसॉफ्ट जापान के 4-दिवसीय सप्ताह परीक्षण ने नवाचार को बढ़ावा दिया)
- **प्रतिकूल लैंगिक प्रभाव:** महिलाओं—विशेषकर कामकाजी माताओं—को काम के लंबे घंटों और घरेलू ज़िम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने में ज़्यादा संघर्ष करना पड़ता है, जिससे लैंगिक अंतर बढ़ता है। (संयुक्त राष्ट्र महिला, 2023)

भारत में राइट टू डिस्कनेक्ट को लागू करने में चुनौतियाँ -

- **गहरी जड़ें जमा चुकी "ऑलवेज-ऑन" कार्य संस्कृति:** भारतीय कार्यस्थलों में अक्सर लंबे समय तक काम करने और 24×7 उपलब्धता को समर्पण और प्रदर्शन के साथ जोड़ दिया जाता है, जिससे सांस्कृतिक स्वीकृति कठिन हो जाती है।

- **वैश्विक समय-क्षेत्र निर्भरता:** आईटी, बीपीओ, परामर्श और वित्त जैसे क्षेत्रों को यूएस/ईयू/एशिया समय क्षेत्रों में वास्तविक समय सहयोग की आवश्यकता होती है, जिससे सख्त डिस्कनेक्ट घंटे परिचालन रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाते हैं।
- **बड़ा अनौपचारिक कार्यबल:** भारत का 80% से अधिक कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में है, जिसके पास कोई निश्चित कार्य घंटे नहीं हैं, जिससे एक समान "डिस्कनेक्ट" नीति को लागू करना कठिन हो जाता है।
- **गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर जटिलता:** गिग वर्कर्स (स्विगी, ज़ोमैटो, उबर ड्राइवर) के पास अनियमित, एल्गोरिदम-संचालित काम के घंटे होते हैं, जिससे "आफ्टर-ऑवर्स" अवधि को परिभाषित करना मुश्किल हो जाता है।
- **कार्य संचार को परिभाषित करने में अस्पष्टता:** भारतीय कार्यस्थल व्हाट्सएप, ईमेल, कॉल, स्लैक आदि पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं।
    - कार्य-समय के बाद "आवश्यक" और "अनावश्यक" संचार के बीच अंतर करना कठिन है।
- **कमजोर प्रवर्तन और अनुपालन तंत्र:** काम के घंटों के बाद डिजिटल संचार के लिए लाखों फर्मों-विशेष रूप से एमएसएमई की निगरानी करना अव्यावहारिक है।
    - श्रम विभाग पहले से ही स्टाफिंग और नियामक बाधाओं का सामना कर रहे हैं।

वैश्विक उदाहरण -

- **फ्रांस (2017):** अनिवार्य ईमेल ब्लैकआउट अवधि।
- **इटली (2017):** दूरस्थ कर्मचारियों के लिए राइट टू डिस्कनेक्ट।
- **स्पेन (2018):** डेटा संरक्षण और डिजिटल अधिकार कानून।
- **ऑस्ट्रेलिया (2023):** फेयर वर्क अमेंडमेंट बिल डिस्कनेक्ट करने का वैधानिक अधिकार स्थापित करता है।

आगे की राह -

- **क्षेत्र-विशिष्ट विनियम:** विभिन्न उद्योगों (आईटी, बीपीओ, गिग, विनिर्माण, स्टार्टअप) को विभिन्न स्तरों के लचीलेपन की आवश्यकता होती है।
    - **उदाहरण के लिए,** फ्रांस व्यापक नियम लागू करता है लेकिन उन उद्योगों के लिए क्षेत्रीय समझौतों की अनुमति देता है जिन्हें विस्तारित उपलब्धता की आवश्यकता होती है।
- **डिजिटल डिस्कनेक्शन पर अनिवार्य कॉर्पोरेट नीतियां:** फर्मों को आंतरिक नीतियां बनाने की आवश्यकता होनी चाहिए: ईमेल ब्लैकआउट घंटे, विलंबित-भेजने की सुविधाएं, और वृद्धि प्रोटोकॉल।
    - **उदाहरण के लिए,** जर्मनी का वोक्सवैगन कुछ कर्मचारी श्रेणियों के लिए कार्यालय समय के बाद ईमेल सर्वर बंद कर देता है।
- **डिजिटल उपकरणों के माध्यम से प्रवर्तन को मजबूत करना:** भौतिक निरीक्षण के बजाय, अनुपालन जांच के लिए डिजिटल लॉग (ईमेल टाइमस्टैम्प, मैसेजिंग पैटर्न) का उपयोग किया जा सकता है।
    - **उदाहरण के लिए,** आयरलैंड की आचार संहिता राज्य प्रवर्तन के बजाय संगठन-स्तरीय निगरानी पर निर्भर करती है।
- **परिभाषित आराम अवधि:** प्लेटफ़ॉर्म कंपनियों को एल्गोरिदम-निर्धारित विश्राम अवधि प्रदान करनी चाहिए और निश्चित घंटों के बाद कार्य पिंग को प्रतिबंधित करना चाहिए।
- **संस्कृति परिवर्तन को बढ़ावा देना:** सरकार और उद्योग निकायों को बर्नआउट, उत्पादकता हानि और मानसिक-स्वास्थ्य प्रभावों को उजागर करने वाले जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।
    - उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया का फेयर वर्क कमीशन कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ-साथ कानून का उपयोग करके संस्कृति में बदलाव लाने का प्रयास करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

प्रारंभिक परीक्षा

न्यूरोटेक्नोलॉजी(Neurotechnology)

संदर्भ

हाल के एक विश्लेषण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कैसे न्यूरोटेक्नोलॉजी-विशेष रूप से ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस(BCI) विश्व स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रही है और स्वास्थ्य देखभाल, जैव प्रौद्योगिकी, एआई और राष्ट्रीय नवाचार में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रही है।

न्यूरोटेक्नोलॉजी का क्या मतलब है?

- **यह उन तकनीकों को संदर्भित करता है जो यांत्रिक, विद्युतीय या कम्प्यूटेशनल उपकरणों का उपयोग करके सीधे मस्तिष्क से संपर्क करती हैं।**
- ये प्रणालियाँ तंत्रिका गतिविधि(neural activity) को रिकॉर्ड, मॉनिटर या प्रभावित करती हैं, जिससे मस्तिष्क के कार्य को समझने, पुनर्स्थापित करने या बढ़ाने में मदद मिलती है।
- इसके मूल में ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस(BCI) है, जो तंत्रिका संकेतों को डिकोड करता है और उन्हें डिजिटल कमांड में परिवर्तित करता है—जिससे उपयोगकर्ता केवल विचार का उपयोग करके कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, रोबोटिक भुजाएँ या कंप्यूटर कर्सर संचालित कर सकते हैं।
- **न्यूरोटेक्नोलॉजी की मुख्य विशेषताएं:**
    - तंत्रिका विज्ञान + एआई + इंजीनियरिंग + गणना को जोड़ती है।
    - नॉन-इनवेसिव (EEG हेडसेट) या इनवेसिव (प्रत्यारोपित इलेक्ट्रोड) हो सकता है।
    - निदान, पुनर्वास, न्यूरोप्रोस्थेटिक्स और अवसाद या पार्किंसंस जैसे विकारों के उपचार के लिए उपयोग किया जाता है।
    - प्रायोगिक अनुसंधान मस्तिष्क-से-मस्तिष्क संचार के लिए क्षमता दिखाता है, हालांकि मानव उपयोग ज्यादातर चिकित्सीय रहता है।

न्यूरोटेक्नोलॉजी के वैश्विक उदाहरण -

- **न्यूरालिंक (संयुक्त राज्य अमेरिका) - BCI प्रत्यारोपण परीक्षण:** मानव नैदानिक परीक्षणों के लिए एफडीए अनुमोदन (मई 2024) प्राप्त हुआ।
    - प्रदर्शित BCI जो लकवाग्रस्त रोगियों को विचार के माध्यम से रोबोटिक अंगों या कर्सर को नियंत्रित करने की अनुमति देता है
    - एआई-आधारित न्यूरल डिकोडिंग के साथ उच्च परिशुद्धता प्रत्यारोपण पर ध्यान केंद्रित करें।
- **ब्रेन इनिशिएटिव (संयुक्त राज्य अमेरिका):** मस्तिष्क गतिविधि के मानचित्रण, रिकॉर्डिंग और मॉड्यूलेटिंग के लिए उन्नत न्यूरोटेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के नेतृत्व में एक बड़ी संघीय-निजी साझेदारी।
- **चाइना ब्रेन प्रोजेक्ट (2016-2030): तीन लक्ष्यों वाली एक राष्ट्रीय परियोजना:** अनुभूति और मस्तिष्क को समझना, मस्तिष्क से प्रेरित एआई और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर उपचार।
- **चिली - न्यूरोराइट्स को कानूनी रूप से मान्यता देने वाला पहला देश:** मानसिक निजता, मस्तिष्क डेटा और स्वायत्तता को न्यूरोटेक्नोलॉजिकल दुरुपयोग से बचाने के लिए संवैधानिक संशोधन (2021-23) पारित किया। न्यूरो-अधिकार कानून के लिए एक वैश्विक मॉडल के रूप में कार्य करता है।

स्रोत: द हिंदू

नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (NATGRID)

संदर्भ

अधिकारियों के अनुसार, **नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (NATGRID) को अब प्रति** माह लगभग 45,000 डेटा-एक्सेस अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

NATGRID के बारे में -

- **NATGRID गृह मंत्रालय द्वारा संकलित एक डेटाबेस है जिसमें एजेंसियों को संदिग्धों की पहचान करने और उनकी निगरानी करने में मदद करने के लिए डेटा के 24 से अधिक सेट शामिल हैं।**

- इसमें डेटा के 24 से अधिक सेट शामिल हैं: आव्रजन रिकॉर्ड, बैंकिंग विवरण, यात्रा इतिहास, फोन डेटा आदि।
- **उत्पत्ति:** मुंबई में 26/11 का आतंकवादी हमला, जिसने इस कमी को उजागर किया कि सुरक्षा एजेंसियों के पास वास्तविक समय के आधार पर महत्वपूर्ण जानकारी की तलाश करने के लिए कोई तंत्र नहीं था।
- **विशेषताएँ:**
    - NATGRID में डेटा रिपॉजिटरी किसी व्यक्ति या संस्था के सभी डिजिटल फुटप्रिंट को कैप्चर करता है।
    - यह देश भर में कानून-प्रवर्तन अधिकारियों को व्यक्तियों और अन्य संस्थाओं के बारे में वास्तविक समय की खुफिया जानकारी प्रदान करता है।

स्रोत: द हिंदू

अभयारण्य वन्यजीव सेवा पुरस्कार 2025

संदर्भ

बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी(BNHS) की वैज्ञानिक परवीन शेख ने अभयारण्य वन्यजीव सेवा पुरस्कार(Sanctuary Wildlife Service Award) 2025 जीता है।

अभयारण्य वन्यजीव सेवा पुरस्कार क्या है?

- यह व्यापक सैंक्चुअरी नेचर फाउंडेशन(और इसके प्रमुख कार्यक्रम सैंक्चुअरी वाइल्डलाइफ अवार्ड्स) का हिस्सा है।
- **यह पुरस्कार वन्यजीवों और पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा में उनके असाधारण कार्य के लिए "पृथ्वी नायकों" - वैज्ञानिकों, क्षेत्र-संरक्षणवादियों, समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और प्रकृतिवादियों - को प्रतिवर्ष सम्मानित करने के लिए स्थापित किया गया है।**
- यह उन व्यक्तियों या समूहों को सम्मानित करता है जिनका कार्य संकटग्रस्त प्रजातियों की रक्षा करता है, आवासों का संरक्षण करता है, और समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण और जैव विविधता के प्रति जन जागरूकता को प्रोत्साहित करता है।

स्रोत: एफजेपी

निजी सदस्य विधेयक

संदर्भ

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया है जिसमें **दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) में संशोधन की मांग की गई है ताकि सांसद सरकार की स्थिरता से सीधे जुड़े विधेयकों को छोड़कर अधिकांश विधेयकों और प्रस्तावों पर स्वतंत्र रूप से मतदान कर सकें।**

निजी सदस्य विधेयक के बारे में -

- **एक निजी सदस्य विधेयक संसद में एक ऐसे सांसद (MP) द्वारा प्रस्तुत एक विधायी प्रस्ताव होता है जो मंत्री नहीं होता है।**
- इसमें सत्ता पक्ष (यदि मंत्री नहीं है) और विपक्ष दोनों के सांसद शामिल होते हैं।
- **स्वतंत्रता के बाद से, केवल 14 निजी सदस्य विधेयक पारित हुए हैं और उन्हें राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली है और 1970 के बाद से कोई भी दोनों सदनों से पारित नहीं हुआ है।**
- 17वीं लोकसभा (2019-24) में, लोकसभा में 729 और राज्यसभा में 705 निजी सदस्य विधेयक पेश किए गए।
    - हालाँकि, लोकसभा में केवल दो और राज्यसभा में 14 पर ही कभी चर्चा हुई।
- 18वीं लोकसभा में, अब तक केवल 20 सांसदों ने निजी सदस्य विधेयक पेश किए हैं।
- वर्ष 2024 के उद्घाटन और बजट सत्रों के दौरान, लोकसभा में 64 निजी सदस्य विधेयक पेश किए गए, लेकिन उनमें से किसी पर भी चर्चा नहीं हुई।

स्रोत: टीओआई

शांति और समृद्धि के लिए वाशिंगटन समझौता

संदर्भ

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य(DRC) और रवांडा ने हाल ही में शांति और समृद्धि के लिए वाशिंगटन समझौते पर हस्ताक्षर किए।

शांति और समृद्धि के लिए वाशिंगटन समझौते के बारे में -

- **इसे कांगो-रवांडा शांति समझौते के लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में भी जाना जाता है।**
- **4 दिसंबर, 2025 को वाशिंगटन, डीसी में हस्ताक्षरित**

- **समझौते का उद्देश्य:**
    - DRC और रवांडा के बीच दशकों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करता है।
    - शांति, सहयोग और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देना चाहता है।
    - क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण फ्रेमवर्क (आरईआईएफ) के साथ संरेखित करता है।

स्रोत: समाचार/संयुक्त राष्ट्र

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA)

संदर्भ

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी(IAEA) ने कहा है कि यूक्रेन में चेरनोबिल परमाणु आपदा स्थल के आसपास के सुरक्षा कवच ने ड्रोन हमलों में क्षतिग्रस्त होने के बाद काम करना बंद कर दिया है।

IAEA के बारे में -

- **यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक स्वायत्त अंतरराष्ट्रीय संगठन (1957 में स्थापित) है।**
- इसका उद्देश्य परमाणु प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग को सत्यापित करते हुए समाज में इसके योगदान को अधिकतम करना है।
- **सदस्य देश:** 180 (भारत इसकी स्थापना के समय से ही इसका सदस्य रहा है और 2025 में: मालदीव)
- **मुख्यालय**: वियना, ऑस्ट्रिया
- **नोबेल शांति पुरस्कार (2005) से सम्मानित किया गया।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

श्योक सुरंग(Shyok Tunnel)

संदर्भ

भारत के रक्षा मंत्री ने लद्दाख में स्थित श्योक सुरंग सहित 125 सीमावर्ती अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

श्योक सुरंग के बारे में -

- **अवस्थिति:** पूर्वी लद्दाख में दुरबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी (डीएस-डीबीओ) रोड।
    - यह लेह को एलएसी के पास उच्च ऊंचाई वाली दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) सैन्य चौकी से जोड़ता है।
- **द्वारा निर्मित**: सीमा सड़क संगठन (BRO)।
- **महत्व:** भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और अत्यधिक तापमान से ग्रस्त क्षेत्र में हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

आकस्मिक समतापमंडलीय उष्णता घटना (Sudden Stratospheric Warming – SSW event)

संदर्भ

मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि दिसंबर 2025 में एक और **आकस्मिक समतापमंडलीय उष्णता**(SSW) घटना हो सकती है।

SSW इवेंट क्या है?

- **यह एक प्रमुख वायुमंडलीय घटना है जिसमें ध्रुवीय समतापमंडल में तापमान अचानक—कुछ ही दिनों के भीतर 40-50°C तक—बढ़ जाता है।**
- **यह पृथ्वी की सतह से 10–50 किलोमीटर ऊपर (समतापमंडल में), सामान्यत: शीत ऋतु के दौरान आर्कटिक क्षेत्र के ऊपर घटित होती है।**

Tropospheric polar vortex versus stratospheric polar vortex

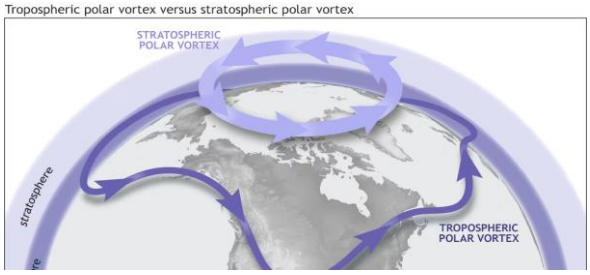

- **ऐसा क्यों होता है:**
    - **ग्रहों की तरंगों का निर्माण:** रॉसबी तरंगें (या ग्रहीय तरंगें) नामक बड़े पैमाने के वायुमंडलीय विक्षोभ (disturbances) निचले वायुमंडल (क्षोभमंडल) में पर्वतों और स्थल-समुद्र तापमान के अंतर जैसी भौगोलिक विशेषताओं द्वारा उत्पन्न होते हैं।

- **ऊपर की ओर प्रसार और टूटना:** ये शक्तिशाली तरंगें समतापमंडल में ऊँचाई तक प्रसारित (propagate) होती हैं जहाँ वे "टूट" जाती हैं। यह तरंगों से समतापमंडलीय वायुप्रवाह को भारी ऊर्जा और संवेग (momentum) स्थानांतरित करता है।
- **ध्रुवीय भंवर का विनाश:** स्थानांतरित ऊर्जा नाटकीय रूप से ध्रुवीय नाइट जेट की मजबूत पश्चिमी हवाओं को धीमा कर देती है, जिससे समतापमंडलीय ध्रुवीय भंवर बाधित हो जाता है। इस व्यवधान के कारण हवा ध्रुव पर तेजी से डूबती है, जिससे तीव्र रुद्धोष्म संपीड़न और वार्मिंग (एसएसडब्ल्यू) होती है।

- **SSW के प्रकार:**
  - **प्रमुख SSW:** ध्रुवीय भँवर अपनी दिशा **विपरीत** कर देता है (पश्चिमी से पूर्वी)। इसके परिणामस्वरूप सतह के मौसम पर **मज़बूत प्रभाव** पड़ता है।
  - **लघु SSW:** तापमान में वृद्धि तो होती है, लेकिन ध्रुवीय भँवर पूरी तरह से विपरीत दिशा में नहीं बदलता है।

स्रोत: न्यूजवीक

समाचार में स्थान

बेनिन

समाचार? कोटोनू (बेनिन) में हाल ही में सैन्य पुनर्स्थापना समिति से संबंधित सैनिकों द्वारा तख्तापलट का एक असफल प्रयास हुआ।

बेनिन के बारे में -

- **राजधानी:** पोर्टो-नोवो (संवैधानिक राजधानी)
- **सरकार का मुख्यालय/सबसे बड़ा शहर: कोटोनोउ**
- **सीमाएँ:**
  - **भूमि सीमाएँ:** नाइजर (उत्तर-पूर्व), बुर्किना फासो (उत्तर-पश्चिम), टोगो (पश्चिम), नाइजीरिया (पूर्व)
  - **समुद्री सीमा:** बेनिन के किनारे समुद्र तट, गिनी की खाड़ी, अटलांटिक महासागर का हिस्सा
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **लैंडस्केप:** उत्तर में सवाना ⟶ ला टेरे डी बर्रे पठार ⟶ दलदली लैगून ⟶ संकीर्ण रेतीले तट।
  - **पर्वत:** अटाकोरा पर्वत (उत्तर-पश्चिम)।
  - **उच्चतम बिंदु:** माउंट सोकबरो (लगभग 658 मीटर)।
  - **प्रमुख नदियाँ:** नाइजर नदी (इसकी उत्तरी सीमा का हिस्सा है) और ओमे नदी(बेनिन के भीतर पूरी तरह से सबसे बड़ी)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस